**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक:26.07.2024**

**नैनीताल (उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन : 2024-07-26 ( अगले5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 27/07/2024 | 28/07/2024 | 29/07/2024 | 30/07/2024 | 31/07/2024 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मीमी) | 30.0 | 35.0 | 25.0 | 70.0 | 55.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 21.0 | 22.0 | 22.0 | 23.0 | 23.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 16.0 | 16.0 | 17.0 | 17.0 | 17.0 |
| अधिकतम सापेक्षिकआर्द्रता(%) | 95 | 95 | 95 | 95 | 95 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 70 | 70 | 70 | 70 | 70 |
| हवा की गति (किमी प्रतिघंटा) | 6 | 4 | 4 | 6 | 6 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 130 | 130 | 130 | 130 | 130 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 8 | 8 | 5 | 6 | 7 |

**सम सारांश/ चेतावनी:**

आगामी सप्ताह में 25-70 मिमी की मध्यम से भारी वर्षा और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमश: 21.0-23.0oC और 16.0-17.0oC के बीच रहने की भविष्यवाणी की गई है। दक्षिण-पूर्व से 4-6 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की उम्मीद है। 27, 29 और 30 जुलाई को अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। 26 जुलाई को नैनीताल में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। 28 जुलाई, 2024 को नैनीताल में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। 29 और 30 जुलाई के लिए भारी वर्षा का क्रमश: नारंगी और पीला अलर्ट दिया गया है, जबकि 26,27, 28, 30 जुलाई के लिए आंधी/बिजली/तीव्र बारिश के लिए येलो अलर्ट दिया गया है।

**सामान्य सलाहकार:**

क्षेत्र में मौसम की स्थिति के बारे में नियमित अपडेट के लिए, किसान "मेघदूत" ऐप से अपडेट प्राप्त कर सकते हैं और गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) पर उपलब्ध "दामिनी" ऐप से बिजली की स्थिति के बारे में अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। एनडीवीआई राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में 0.15-0.40 के बीच अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 26.07.2024 से 01.08.2024 के दौरान कम वर्षा. सामान्य से अधिक अधिकतम और न्यनतम तापमान की प्रवत्ति दर्शाता है।

**लघु संदेश सलाहकार:**

आईएमडी के पूर्वानुमान अनुसार, खेतों में उचित जल निकासी बनाए रखी जानी चाहिए और खेती के कार्यों को पूर्वानुमान अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।

**फ़सल विशिष्ट सलाह:**

**बागवानी विशिष्ट सलाह:**

| फ़सल | अवस्था | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|---|
| धान | वानस्पतिक | पिछले माह बोई हुई जेठी धन में निराई-गुड़ाई का काम संपन्न कर खरपतवार निकल ले। वर्षा के पश्चात उचित नमी होने पर यूरिया से टॉप-ड्रेसिंग करें। खेती की सभी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए। |
| मक्का | अंकुरण/ वानस्पतिक | पिछले माह की मक्का की फसल में निराई-गुड़ाई का कार्य कर खरपतवार निकाले । मक्के के 2 फ़ीट के हो जाने पर यूरिया की टॉप-ड्रेसिंग करें। खेती की सभी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए। |
| रागी | अंकुरण/ वानस्पतिक | फसलों की निगरानी करते रहे और आवश्यकता अनुसार निराई-गुड़ाई करें। खेती की सभी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए। |
| अरहर (लाल चना/अरहर) | वानस्पतिक | फसलों की निगरानी करते रहे और आवश्यकता अनुसार निराई-गुड़ाई करें। खेती की सभी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए। |
| सोयाबीन | अंकुरण/अंकुर विकास | बुवाई का समय पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए तथा जल ठहराव से बचने के लिए उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए। |
| मूंग | बुवाई | बुवाई का समय पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए। |

| बागवानी | अवस्था | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|---|
| टमाटर/शिमला मिर्च/बैंगन | तुड़ाई | पके हुए टमाटर/शिमला मिर्च/बैंगन की कटाई कर लेनी चाहिए तथा उचित जल निकासी की व्यवस्था रखनी चाहिए। |
| फूलगोभी | रोपाई | यदि पौधे रोपाई के लिए तैयार हैं तो पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए रोपाई की जानी चाहिए। पत्तागोभी, फूलगोभी, ब्रोकोली और नोल-खोल की कम अवधि वाली किस्मों को मध्य पहाड़ी क्षेत्रों में उगाया जा सकता है, लेकिन खेत में पर्याप्त नमी होने के बाद ही। पूर्वानुमानित वर्षा के अनुसार जल निकासी के उचित उपाय किये जाने चाहिए। |
| मिर्च/ फ्रेंचबीन | तुड़ाई/ परिपक्वता | खेत में उचित जल निकासी की व्यवस्था होनी चाहिए तथा किसी भी प्रकार के छिड़काव से बचना चाहिए। |

**पशुपालन विशिष्ट सलाह:**

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गाय/ भैंस | जुलाई का महीना प्रसव का है तो पशु के प्रसव के समय उनपर लगातार निगरानी रखनी चाहिए और ब्याने के बाद अच्छी तरह से साफ-सफाई करके यूटरोटाने/ हरीरा/ गाइनोटोन नामक दवा में से किसी एक दवा की 200 मिली मात्रा सुबह शाम तीन दिनों तक गर्भाशय की सफाई हेतु देनी चाहिए। बरसात के मौसम में पशुशाला की नियमित रूप से 2 -3 बार सफाई करनी चाहिए। |
| बकरी | छोटे रोमन्थी पशुओं, जैसे भेड़, बकरी एवं नवजात गो वत्स को बरसात के दिनों मे भीगने से बचाना चाहिए ताकि उनको सर्दी/ जुकाम/न्यूमोनिया नामक बीमारी न हों। |